चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 24 अप्रैल 2026, अंक –264.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

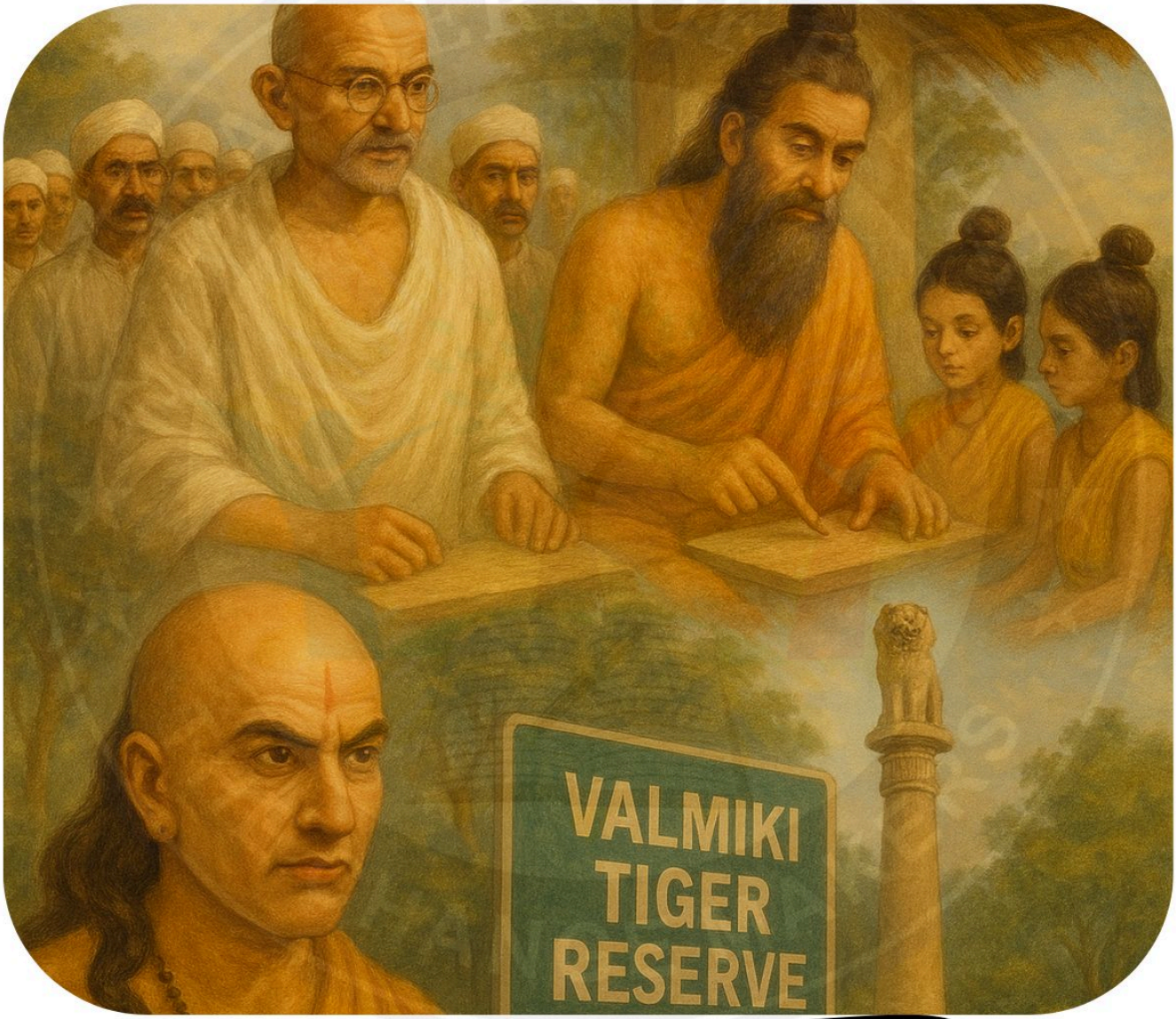

"नारी को शिक्षित करो, वो समाज को संवार देगी।"

-Dr. Bhimrao Ambedkar

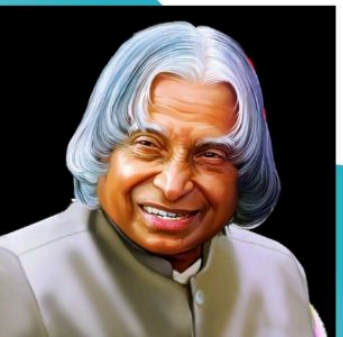

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता .....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जर्मनी की राजधानी क्या है?
उत्तर: बर्लिन
प्रश्न 2. भारत के पहले वित्त मंत्री कौन थे?
उत्तर: आर. के. शनमुखम चेट्टी
प्रश्न 3. कुचिपुड़ी नृत्य किस राज्य में किया जाता है?
उत्तर: आंध्र प्रदेश
प्रश्न 4. 144 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय पेय क्या है?
उत्तर: सत्तू
प्रश्न 6. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. विद्युत मोटर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
उत्तर: 5 वर्ष
प्रश्न 9. 'वह' शब्द किस प्रकार का सर्वनाम है?
उत्तर: पुरुषवाचक
प्रश्न 10. पौधों में भोजन कहाँ बनता है?
उत्तर: पत्तियों में

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Throw – (थ्रो) – फेंकना
2. Break – (ब्रेक) – तोड़ना
3. Make – (मेक) – बनाना
4. Build – (बिल्ड) – बनाना / निर्माण करना
5. Cut – (कट) – काटना
6. Draw – (ड्रॉ) – खींचना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम ... रहे/रही हो" (You are ...ing)

तुम पढ़ रहे/रही हो। – You are reading.
तुम लिख रहे/रही हो। – You are writing.
तुम खेल रहे/रही हो। – You are playing.
तुम खा रहे/रही हो। – You are eating.
तुम सीख रहे/रही हो। – You are learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 24 अप्रैल को कौन सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: पंचायत दिवस
व्याख्या: 24 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। इस दिन 1993 में 73वां संविधान संशोधन लागू हुआ था, जिससे पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा मिला। यह ग्रामीण स्वशासन और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
संदर्भ: Ministry of Panchayati Raj

2. वर्ष 2026 में होने वाले 'फीफा विश्व कप' (FIFA World Cup) की मेजबानी कौन से देश कर रहे हैं? (समसामयिकी)
उत्तर: अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको
व्याख्या: 2026 का फुटबॉल विश्व कप पहली बार तीन देशों में संयुक्त रूप से आयोजित हो रहा है। इसमें रिकॉर्ड 48 टीमें भाग लेंगी। यह खेल जगत की सबसे बड़ी घटना है और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं खेल भावना का प्रतीक है। प्रतियोगी परीक्षाओं में खेल आयोजनों से प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं।
संदर्भ: FIFA Official Calendar 2026.

3. “Gitanjali” के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: रवींद्र नाथ टैगोर
व्याख्या: “गीतांजलि” रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध काव्य रचना है, जिसके लिए उन्हें 1913 में नोबेल पुरस्कार मिला। यह कृति आध्यात्मिकता, प्रकृति और मानव भावनाओं का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करती है। यह भारतीय साहित्य की महत्वपूर्ण कृति मानी जाती है।
संदर्भ: NCERT; Sahitya Akademi

4. 'क्योटो प्रोटोकॉल' (Kyoto Protocol) का मुख्य उद्देश्य क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: ग्रीनहाउस गैस कटौती
व्याख्या: क्योटो प्रोटोकॉल एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जिसका लक्ष्य ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करना है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई का एक ऐतिहासिक कदम है, जो पर्यावरण सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 21.

5. सिंधु घाटी सभ्यता का वह स्थान कौन सा है जहाँ 'विशाल स्नानागार' (Great Bath) मिला है? (इतिहास)
उत्तर: मोहनजोदड़ो
व्याख्या: मोहनजोदड़ो में मिला विशाल स्नानागार उस समय की उत्कृष्ट वास्तुकला और स्वच्छता प्रणाली का प्रमाण है। यह संभवतः विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उपयोग किया जाता था। हड़प्पा सभ्यता की नगर योजना को समझने के लिए यह एक प्रमुख पुरातात्विक साक्ष्य है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 3 In the Earliest Cities, p. 25.

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत का मानक समय (Standard Time) किस देशांतर रेखा से मापा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: 82°30' पूर्वी
व्याख्या: भारत का मानक समय उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से गुजरने वाली 82^{\circ}30' पूर्वी देशांतर रेखा से निर्धारित होता है। यह ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) से 5 घंटे 30 मिनट आगे है। समय निर्धारण का यह भूगोल का सबसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 2 Globe: Latitudes and Longitudes, p. 15.

7. भारतीय संसद के निचले सदन (Lower House) को क्या कहते हैं? (संविधान)
उत्तर: लोकसभा
व्याख्या: लोकसभा को 'जनता का सदन' भी कहा जाता है, क्योंकि इसके सदस्य प्रत्यक्ष मतदान द्वारा चुने जाते हैं। इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 552 निर्धारित है। संसदीय लोकतंत्र में विधायी प्रक्रिया को समझने के लिए यह प्राथमिक ज्ञान है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Civics, Ch 3 Why do we need a Parliament?, p. 33.

8. कोशिका की 'आत्मघाती थैली' (Suicide Bag) किसे कहा जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: लाइसोसोम (Lysosome)
व्याख्या: लाइसोसोम में शक्तिशाली पाचक एंजाइम होते हैं। यदि कोशिका क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो लाइसोसोम फट जाते हैं और अपनी ही कोशिका को पचा लेते हैं। इसलिए इन्हें 'आत्मघाती थैली' कहा जाता है। कोशिका विज्ञान (Cell Biology) का यह एक आधारभूत प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Science, Ch 5 The Fundamental Unit of Life, p. 64.

9. 'कत्थक' उत्तर भारत का शास्त्रीय नृत्य है, इसमें 'कत्थक' शब्द का क्या अर्थ है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कथा (कहानी)
व्याख्या: कत्थक शब्द 'कथा' से निकला है, जिसका अर्थ है कहानी कहना। मूलतः कत्थक मंदिरों में कथा सुनाने वाले पुजारी होते थे जो हाव-भाव और संगीत के माध्यम से पौराणिक कहानियाँ सुनाते थे। यह मध्यकालीन सांस्कृतिक विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 123.

10. 'सोन नदी' किस नदी की सहायक नदी है? (बिहार GK)
उत्तर: गंगा
व्याख्या: सोन नदी गंगा नदी की प्रमुख दाहिनी सहायक नदी है, जो मध्य प्रदेश से निकलकर बिहार में गंगा में मिलती है। यह नदी सिंचाई और जल संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है। इसका ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व प्रतियोगी परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 3 Drainage, p. 34; Bihar GK

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के तहत 'लू' से बचाव हेतु विद्यालय में क्या व्यवस्था अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: पेयजल/ओआरएस
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (अप्रैल सप्ताह-4) के अनुसार, भीषण गर्मी के दौरान बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाने हेतु विद्यालय में स्वच्छ पेयजल और ओआरएस पैकेट की उपलब्धता अनिवार्य है। यह आपदा प्रबंधन के 'तैयारी' चरण का हिस्सा है।
संदर्भ: सुरक्षित शनिवार मार्गदर्शिका; बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (BSDMA).

12. यदि कल से दो दिन पहले 'शुक्रवार' था, तो कल के बाद वाला दिन क्या होगा? (रीजनिंग)
उत्तर: बुधवार
व्याख्या: यदि कल से 2 दिन पहले शुक्रवार था, तो कल 'रविवार' था। इसका अर्थ है कि आज 'सोमवार' है। तो कल 'मंगलवार' होगा और कल के बाद वाला दिन 'बुधवार' होगा। यह प्रश्न बच्चों की काल-क्रम (Time-sequence) समझने की क्षमता को बढ़ाता है।
संदर्भ: Logical Reasoning, NTSE Foundation Level.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Imitate (इमिटेट) = Copy (कॉपी) = नकल करना
🔁 Antonym – Originate (ओरिजिनेट) = मौलिक बनाना
2. Immense (इमेंस) = Huge (ह्यूज) = बहुत बड़ा / विशाल
🔁 Antonym – Tiny (टाइनी) = बहुत छोटा
3. Impart (इम्पार्ट) = Give (गिव) = देना / प्रदान करना
🔁 Antonym – Withhold (विदहोल्ड) = रोकना
4. Imply (इम्प्लाई) = Suggest (सजेस्ट) = संकेत देना
🔁 Antonym – State (स्टेट) = स्पष्ट कहना
5. Indicate (इंडिकेट) = Show (शो) = दिखाना / संकेत करना
🔁 Antonym – Conceal (कन्सील) = छिपाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses National Panchayati Raj Day eve; launches 'E-Gram Swaraj 2.0' with integrated AI for transparent asset management.
प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की पूर्व संध्या पर संबोधित किया; पारदर्शी संपत्ति प्रबंधन के लिए एआई-एकीकृत 'ई-ग्राम स्वराज 2.0' लॉन्च किया।

ISRO successfully test-fires 'Semi-Cryogenic Engine' for heavy-lift rockets; milestone for LVM3-M4 and future human spaceflight missions.
इसरो ने भारी लिफ्ट रॉकेटों के लिए 'सेमी-क्रायोजेनिक इंजन' का सफल परीक्षण किया; यह LVM3-M4 और भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए मील का पत्थर है।

Ministry of Education and NCERT launch 'Vidya-Anjali 3.0' portal to facilitate CSR funding for digital infrastructure in rural schools.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए सीएसआर (CSR) फंडिंग को सुव्यवस्थित करने हेतु 'विद्या-अंजलि 3.0' पोर्टल लॉन्च किया।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations Environmental Programme (UNEP) releases 'Global Air Quality Report 2026'; highlights 15% reduction in PM2.5 in South Asian cities.
संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने 'ग्लोबल एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2026' जारी की; दक्षिण एशियाई शहरों में PM2.5 में 15% की कमी दर्ज।

BBC Report: G20 Nations agree on 'Sovereign Debt Relief' framework for developing countries affected by climate-induced disasters.
बीबीसी रिपोर्ट: G20 देशों ने जलवायु-प्रेरित आपदाओं से प्रभावित विकासशील देशों के लिए 'संप्रभु ऋण राहत' ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

NASA's Perseverance rover discovers 'Ancient Igneous Rocks' on Mars; provides clues about the Red Planet's early magnetic field.
नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल पर 'प्राचीन आग्नेय चट्टानों' की खोज की; यह लाल ग्रह के प्रारंभिक चुंबकीय क्षेत्र के बारे में महत्वपूर्ण सुराग प्रदान करता है।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Panchayati Raj Excellence Center' in Nalanda to train 2 lakh elected representatives on digital governance.
बिहार सरकार डिजिटल गवर्नेंस पर 2 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने के लिए नालंदा में 'पंचायती राज उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करेगी।

SCERT Bihar launches 'Skill-Path' initiative in 500 Senior Secondary Schools to provide industry-aligned certification in Data Analytics.
एससीईआरटी बिहार ने डेटा एनालिटिक्स में उद्योग-संरेखित प्रमाणन प्रदान करने के लिए 500 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 'स्किल-पाथ' पहल शुरू की।

SPORTS NEWS

Indian Archer Deepika Kumari wins Individual Gold at Archery World Cup Stage-1 in Antalya; secures 2028 Olympic qualification spot.
भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी ने अंताल्या में तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-1 में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता; 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन हासिल किया।

Ministry of Sports integrates 'Mental Health Coaching' for all Khelo India Academy athletes to enhance psychological resilience.
खेल मंत्रालय ने मनोवैज्ञानिक लचीलापन बढ़ाने के लिए सभी खेलो इंडिया अकादमी एथलीटों के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य कोचिंग' को अनिवार्य रूप से एकीकृत किया।

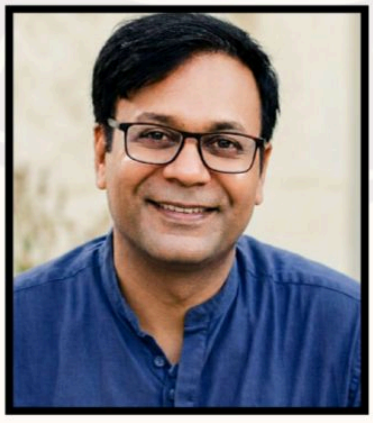

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"धरती की पुकार"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विषय था—पृथ्वी की सुरक्षा। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने बच्चों से पूछा—

"अगर हमारा घर गंदा हो जाए, पेड़ सूख जाएँ और पानी खत्म होने लगे, तो कैसा लगेगा?"

बच्चे चुप हो गए।

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक बच्चा था रवि। उसे पेड़-पौधों से बहुत प्यार था, लेकिन वह खुद कभी कुछ नहीं करता था। वह सोचता था—"एक मेरे करने से क्या फर्क पड़ेगा?"

एक दिन उसने सपना देखा—धरती सूखी पड़ी है, न पेड़ हैं, न पानी। लोग परेशान हैं। तभी एक आवाज़ आई—

"अगर हर कोई ऐसा ही सोचेगा, तो मुझे कौन बचाएगा?"

रवि डरकर उठ गया। उसे अपनी गलती समझ आ गई।

अगले दिन से उसने बदलाव शुरू किया।

स्कूल में पौधा लगाया।

पानी बेकार बहाना बंद किया।

प्लास्टिक का उपयोग कम किया।

धीरे-धीरे उसके दोस्त भी उसके साथ जुड़ गए। पूरा स्कूल एक छोटे से बदलाव का हिस्सा बन गया।

मैडम जी ने मुस्कुराते हुए कहा—

"बच्चों, बड़ा बदलाव हमेशा छोटे कदमों से शुरू होता है।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम अपनी पृथ्वी की रक्षा करेंगे।"

🌟 संदेश

"पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी है—आज बचाएँगे, तभी कल सुरक्षित होगा।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"श्री अरविंदो का दर्शन — अंतःकरण की शिक्षा और पूर्ण योग"

श्री अरविंदो घोष का शिक्षा दर्शन 'अंतःकरण की शिक्षा' (Education of the Antahkarana) पर आधारित है। उनका मानना था कि शिक्षा का मुख्य कार्य बालक के मस्तिष्क में बाहर से ज्ञान भरना नहीं है, बल्कि उसके भीतर पहले से विद्यमान दिव्य शक्ति और ज्ञान को प्रकट होने में सहायता करना है। अरविंदो ने जिस शिक्षा पद्धति की बात की, उसे 'सर्वांगीण शिक्षा' (Integral Education) कहा जाता है। उनके अनुसार, मनुष्य के पाँच पक्ष होते हैं: शारीरिक, प्राणिक (Vital), मानसिक, अंतरात्मिक (Psychic) और आध्यात्मिक। सच्ची शिक्षा वही है जो इन पाँचों पक्षों का संतुलित विकास करे।

शिक्षक साथियों, अरविंदो के दर्शन का सबसे क्रांतिकारी सिद्धांत यह है कि "कुछ भी पढ़ाया नहीं जा सकता" (Nothing can be taught)। इसका अर्थ यह नहीं है कि शिक्षक की कोई भूमिका नहीं है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि शिक्षक एक 'प्रवक्ता' या 'मास्टर' नहीं, बल्कि एक 'मार्गदर्शक' और 'सुगमकर्ता' (Facilitator) है। शिक्षक का काम छात्र को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उसे यह सिखाना है कि ज्ञान कैसे प्राप्त किया जाता है। छात्र के भीतर का 'स्व' ही उसका असली शिक्षक है।

उदाहरण:

इसे अपनी कक्षा की शिक्षण पद्धति से जोड़कर देखते हैं। मान लीजिए आप कक्षा में 'प्रकाश संश्लेषण' (Photosynthesis) पढ़ा रहे हैं। एक सामान्य तरीका यह है कि आप बोर्ड पर चित्र बनाएं और बच्चों को याद करा दें कि पौधे सूरज की रोशनी से खाना बनाते हैं। लेकिन अरविंदो के दर्शन पर चलने वाला शिक्षक बच्चों के सामने केवल कुछ प्रश्न और परिस्थितियाँ रखेगा। वह उन्हें एक प्रयोग करने देगा—एक पौधा धूप में और एक अंधेरे में रखने को कहेगा। जब बच्चा खुद अवलोकन करेगा, परिणाम देखेगा और निष्कर्ष निकालेगा, तो वह ज्ञान उसके भीतर से प्रकट होगा। यहाँ शिक्षक ने 'पढ़ाया' नहीं, बल्कि बच्चे के मस्तिष्क को स्वयं ज्ञान की खोज करने के लिए 'प्रेरित' किया।

श्री अरविंदो ने अनुशासन के विषय में भी बहुत महत्वपूर्ण बात कही है। वे 'बाहरी दबाव' या 'दंड' के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि असली अनुशासन 'आत्म-अनुशासन' है। यदि हम बच्चे की इच्छाशक्ति (Willpower) को जगा सकें, तो उसे सुधारने के लिए किसी छड़ी की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक शिक्षक के रूप में हमारी भूमिका बच्चे की एकाग्रता और उसकी चित्त-वृत्तियों को सही दिशा देने की होनी चाहिए।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हम छात्र को एक 'खाली पात्र' समझना बंद करें जिसे हमें भरना है। इसके बजाय, छात्र को एक 'बीज' समझें जिसके भीतर एक विशाल वृक्ष बनने की पूरी संभावना छुपी हुई है। एक शिक्षक के रूप में हमारा काम केवल उसे सही खाद, पानी और सुरक्षा प्रदान करना है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी शिक्षण शैली बच्चों को 'स्वयं खोज' करने का अवसर दे रही है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 39

(इंटरमीडिएट के बाद – BBA (Bachelor of Business Administration))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि प्रबंधन (Management), बिज़नेस, उद्यमिता (Entrepreneurship), मार्केटिंग और लीडरशिप में है, तो BBA (Bachelor of Business Administration) एक अत्यंत उपयोगी और करियर-उन्मुख कोर्स है। इसमें Principles of Management, Marketing, Human Resource, Finance, Business Communication, Entrepreneurship Development जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं, जो आपको कॉर्पोरेट और स्टार्टअप दुनिया के लिए तैयार करते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); कम्युनिकेशन स्किल और नेतृत्व क्षमता लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया:

अधिकांश विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्रवेश। कुछ संस्थान ग्रुप डिस्कशन/इंटरव्यू भी लेते हैं।

बिहार के प्रमुख सरकारी/संबद्ध संस्थान:

Patna University

Aryabhatta Knowledge University (संबद्ध कॉलेज)

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Delhi University – du.ac.in

Banaras Hindu University – bhu.ac.in

Indian Institute of Management Indore (IPM Program)

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना:

कॉर्पोरेट कंपनियाँ, बैंकिंग, मार्केटिंग, HR, सेल्स, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स सेक्टर। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–40,000 प्रति माह, अनुभव और कौशल के साथ वृद्धि।

आगे के अवसर:

MBA (Master of Business Administration), स्टार्टअप, फाइनेंस/मार्केटिंग/HR में विशेषज्ञता, सिविल सेवा/अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ।

स्व-रोजगार के अवसर:

स्टार्टअप, ऑनलाइन बिज़नेस, फ्रेंचाइज़ी मॉडल, सर्विस सेक्टर–बिज़नेस आइडिया के आधार पर उच्च आय संभव।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के तहत उच्च शिक्षा के लिए सहायता मिलती है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप मैनेजमेंट स्किल विकसित कर कॉर्पोरेट या स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो BBA आपके लिए एक मजबूत और बहुआयामी करियर विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Mason (Building Construction Skill Course)

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

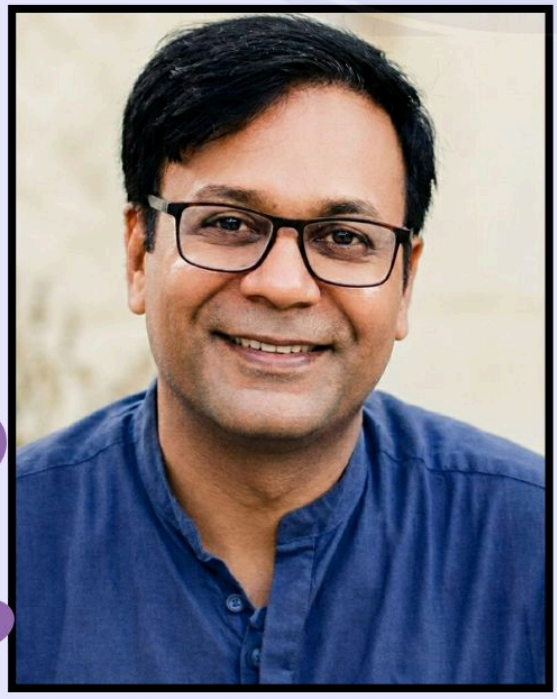

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org